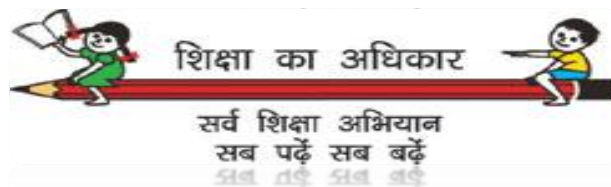


# संकुल स्रोत केन्द्रों में मासिक बैठक हेतु चर्चा पत्र



राज्य परियोजना कार्यालय, राजीव गांधी शिक्षा मिशन छत्तीसगढ़

संपर्क हेतु ईमेल – [mis.head@gmail.com](mailto:mis.head@gmail.com)



## “आमुख”

देखते ही देखते चर्चा पत्र के छः अंक निकल गए। आपके हाथ में यह सातवां अंक राज्य परियोजना कार्यालय, सर्व शिक्षा अभियान की ओर से उपलब्ध कराया जा रहा है। पिछले छः अंकों में लगातार इस बात पर जोर दिया गया कि संकुल की बैठकों में रोचक अकादमिक चर्चा हो और संकुल से जिला होते हुए राज्य स्तर पर इन बैठकों का फीडबैक मिले। पिछले अंकों में सर्वे के लिए भी कुछ मुद्दे दिए जाते रहे हैं पर खेद का विषय है कि जिलों में अभी तक इन बातों पर कसावट नहीं आई है। संकुलों की बैठकों की जानकारी भी जिले ठीक से नहीं ले पा रहे हैं। केवल कुछ जिलों में ही इस दिशा में ठीक से कार्य हुआ है। संकुल बैठकों के आयोजन के लिए आगामी बजट तब तक जारी नहीं किया जाएगा जब तक कि जिले इस पूरे कार्य को व्यवस्थित न कर लें। धीरे-धीरे जिलों को अपने-अपने जिले के लिए स्वयं चर्चा पत्र तैयार करना होगा। चर्चा पत्र के लिए सामग्री भी लगातार जिलों से मांगी जाती रही है। परंतु अभी तक इस दिशा में भी कोई ठोस पहल जिलों से नहीं हो पाई है।

माह नवंबर में विभिन्न जिलों में लगभग 200 CACs से प्रत्यक्ष मिलने का अवसर मिला। संकुल समन्वयकों द्वारा किए जा रहे विभिन्न कार्यों अलग-अलग उनकी समस्याओं एवं हल पर भी काफी चर्चाएँ हुईं। हमारे राज्य से संकुलों का गठन हुए लगभग 20 वर्ष होने वाले हैं। संकुल स्रोत केन्द्रों की स्थापना शिक्षकों को On-Site अकादमिक समर्थन एवं उनकी अकादमिक समस्याओं को हल करने के उद्देश्य से की गई थी। गत कई बैठकों में CACs से उनके कार्यों की जानकारी पूछे जाने पर सबसे प्रमुख कार्य के रूप से वे शिक्षकों की अकादमिक समस्याएँ हल करने वाले कार्य को गर्व के साथ प्रस्तुत करते हैं। परंतु जब 20 वर्षों में अब तक हल किए हुए कोई 10 अकादमिक समस्याओं के बारे में पूछा जाता है तो एक भी अकादमिक समस्या का नाम नहीं बता पाते। यह दुर्भाग्य जनक स्थिति है। हम सबको अपना आत्मावलोकन करना होगा। क्या हम वो काम कर रहे हैं जिनके लिए हमारी नियुक्ति हुई है ? क्या हमने दूसरे कार्यों को अपनी प्राथमिकता बना ली है ? क्या हम अकादमिक कार्य नहीं कर पाने या करने में सक्षम न होने की वजह से अपने आपको दूसरे कार्यों में संलग्न करा रहे हैं। एक बैठक में CAC ने कहा कि उन्हें जब कोई विभाग 4 बजे कोई जानकारी सबसे मांगता है तो हम 6 बजे तक सभी जानकारी एकत्र कर उन्हें दे देते हैं और हमारे अपने काम से 20 साल में एक भी अकादमिक समस्याएँ ढूँढ नहीं पा रहे हैं। आश्चर्य !

चर्चा पत्र को लंबा इसीलिए रखा गया है ताकि आपको अकादमिक चर्चा के बीच में कोई अन्य जानकारी एकत्र करने का दबाव न बनाए। आपको भी अपने कार्य की प्राथमिकताओं का निर्धारण करते हुए अकादमिक सुधार के लिए कार्य करना होगा।

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम शिक्षा गुणवत्ता अभियान के अंतर्गत आप अपने संकुल की सभी शालाओं में गुणवत्ता सुधार के लिए स्थानीय स्तर पर कार्यवाहियाँ कर रहे होंगे। आगामी शैक्षिक भ्रमण के दौरान **बच्चों के अपेक्षित दक्षताओं पर ही ध्यान दिया जाएगा**। समय कम है, तैयारी करवाएँ। सुधार दिखना चाहिए। आपकी मेहनत दिखनी चाहिए। बच्चे खुशी-खुशी शाला से कुछ सीखकर जाएँ, पालक बच्चों की पढ़ाई से खुश हों और शाला के प्रति सबके मन में सम्मान हो, तभी हमारी सफलता है।

## एजेण्डा – 1 गणित विषय को रुचिकर बनाने हेतु कुछ गतिविधियाँ

माह दिसंबर 2015 में 22 दिसंबर से एक सप्ताह के लिए गणित सप्ताह का आयोजन किया जाना है। संकुल की बैठक में इस हेतु योजना बनाएं एवं किए गए कार्यों का फीडबैक हमें भेजें। गणित सप्ताह के आयोजन के लिए कुछ सुझाव नीचे दिए जा रहे हैं।

1. जिले स्तर पर गणित को सरल और पॉपुलर करने के उद्देश्य से जुड़कर काम करने हेतु लगभग 30 सक्रिय विषय विशेषज्ञों का समूह जिन्हें समय समय पर जिले स्तर पर बैठकर अपने जिले में गणित विषय को ख्याति दिलाने की दिशा में कार्य करने का एक अवसर मिले और वे अपने स्थान से भी फेसबुक अथवा अन्य आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए एक सोशियल साइट बनाकर काम कर सकें। इस समूह को Professional Learning Community (PLC) का नाम दें।
2. गणित शिक्षण के लिए वेबसाइट से बेहतर उदाहरणों को खोजते हुए संकलन कर उनके नियमित उपयोग हेतु प्रेरित और प्रसारित करते हुए एक उपयोगी संकलन कर आपस में शेयर करना।
3. बच्चों को रुचि लेकर पढ़ाया याद करने एवं उनके अर्थ एवं उपयोग समझने हेतु विभिन्न गतिविधियाँ एवं पढ़ाया प्रतियोगिताओं का आयोजन।
4. बच्चों के साथ गणित तंबोला करने हेतु आवश्यक तैयारी करना।
5. गाँव स्तर पर गणित मेले का आयोजन करते हुए बच्चों के मन से गणित के प्रति डर दूर कर रुचि का माहौल तैयार करना। जिले के गणित विषय के विशेषज्ञ अपने अपने जिले के लिए गणित मेले संबंधी गतिविधियाँ तैयार कर सकते हैं। कुछ उदाहरण:



- गाँव के हाट-बाजार के दिन समुदाय के साथ बच्चे दुकान-दुकान खेलेंगे। वे अपने साथ घर से बेचने हेतु कुछ सामान जैसे फसल, सब्जी, फल, घास, पकवान, मिठाई, पत्ते, फर्नीचर अथवा जो भी चीज उनके घर से नियमित बेचने के लिए हाट लाई जाती हो अपने साथ लाएंगे और उसे बेचने एवं दाम, तौल आदि की जानकारी एवं कौशल सीख कर आएंगे।
- सभी बच्चे अकेले या समूह में अपने अपने स्टॉल लगाएंगे और समुदाय के साथ बिक्री का खेल खेलेंगे।
- एक स्टॉल में लोगों के वजन नापने अथवा ऊँचाई जानने का यंत्र लगाया जा सकता है और मामूली दर जैसे एक रुपए में बच्चे लोगों को उनका वजन नापकर लिखकर दे सकते हैं। ऐसा करते समय बच्चे अपने पास सभी का रिकॉर्ड रखेंगे ताकि गाँव का सबसे वजनी सबसे ऊँचा, सबसे हल्का, सबसे छोटे आदमी के बारे में विश्लेषण कर जानकारी दे सकते हैं।
- गाँव में सबसे लंबी नाक किसकी, सबसे लंबे बाल, सबसे बड़ा खेत, सबसे ऊँचा पेड़ आदि का भी अनुमान लगाया जा सकता है।
- गाँव में कौन कितना और किस बात का टैक्स अदा करता है, की जानकारी भी प्राप्त की जा सकती है।
- कौन कितनी बार गेंद को उछाल सकता है? एक फीस लेकर लोगों को खेलने का अवसर देते हुए एक निर्धारित संख्या जैसे 500 से अधिक होने पर इनाम का प्रावधान किया जा सकता है जिसे लोगों से ली गई फीस से ही दिया जा सकता है।
- माता-पिता से भी सरल मौखिक सवाल / गणित एवं क्विज़ आदि खेलने का अवसर दिया जा सकता है।
- लोगों के मोबाइल नंबर लेते हुए उन्हें याद करवाते हुए किसका नंबर पूछा जा सकता है। सबके नंबर लिखकर उनमें से लकी नंबर स्लिप से निकाला जा सकता है। इससे अंक सुनने, लिखने एवं पहचानने का अवसर मिल सकेगा।
- बड़े टब में पानी रखकर कितने मग, गिलास अथवा और किसी पात्र में कितना पानी आ सकेगा अनुमान लगाने वाले और जीतने वाले को इनाम घोषित किया जा सकता है। इस खेल में शामिल होने वाले को एक छोटी फीस ली जा सकती है।
- किसके घर में कितने जानवर, गाड़ियाँ, लोग, कितने बच्चे स्कूल नहीं जा रहे हैं आदि सर्वे भी किए जा सकते हैं।

कुछ चैलेंजिंग गतिविधि देते हुए कम से कम समय में करने वाले को इनाम देने का खेल भी किया जा सकता है। जैसे किसी पुस्तक में पाँच मिनट में कितने पेज पढ़ा जा सकता है – सबसे अधिक पेज पढ़ने वाले को इनाम, बर्तन साफ करने, कम समय में अधिक फल, जलेबी खाने, गणित के सवाल हल करने आदि आदि।

## एजेण्डा – 2 बच्चे सवाल हल नहीं कर रहे :-

पिछले कुछ अंको में हमने आपको जानकारी दी थी कि हमारे बच्चे उनसे पूछे जाने वाले अधिकांश प्रश्नों को हल किए बिना छोड़ देते हैं। विभिन्न बाह्य मूल्यांकनों में पूछे जाने वाले प्रश्नों के प्रकार भी उनके लिए नए होते हैं। इसी बात को ध्यान में रखकर हमने माह अक्टूबर के अंक की जगह आपको प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक स्तर के लिए अलग-अलग प्रश्नों के सेट उपलब्ध कराये थे। इन्हें सभी शालाओं में छायाप्रति कर उपलब्ध कराया जाना था। शिक्षकों ने समय-समय पर इस प्रकार के प्रश्नों का अभ्यास बच्चों से कराना शुरू कर दिया होगा। संकुल स्तर पर भी आप शिक्षकों से इस प्रकार के ढेर सारे प्रश्न अभ्यास के लिए तैयार कर सकते हैं। बच्चों के साथ इनका अभ्यास कर सकते हैं। हमें ई-मेल से ऐसे प्रश्न तैयार कर शेयर कर सकते हैं।

**इस मुद्दे पर विशेष ध्यान देते हुए पर्याप्त अभ्यास सभी कक्षाओं में करवाएँ।**

**बैठक में इन मुद्दों पर चर्चा करें :-**

1. क्या हमारे सभी कक्षाओं में बच्चे इन प्रश्नों को हल कर पा रहे हैं ?
2. क्या बच्चे कुछ प्रश्नों को छोड़ देते हैं ?
3. हम कैसे सभी बच्चों को सभी प्रश्न समय पर हल करने हेतु प्रेरित कर सकते हैं ?
4. हम ऐसा क्या करें कि बच्चे कोई भी प्रश्न अनुत्तरित न छोड़ें ?

## Play with numbers

Think of a two digit number, say 42, then subtract the reverse of its digits, 24, from 42

$$42-24 = 18$$

hence 18 is product of 9

$$\text{also } 1+8=9$$

Choose any two digits number and for each one reverse the digits and subtract the smaller number from the larger. Look at all the answers you get. Do they all have a common divisor? What do the digits sum to each time?

**Some Examples:**

$$92-29 = 63$$

hence 63 is product of 9

$$\text{also } 6+3=9$$

$$41-14 = 27$$

hence 27 is product of 9

$$\text{also } 2+7 = 9$$

$$83-38 = 45$$

hence 45 is product of 9

$$\text{also } 4+5 = 9$$

You see how fascinating and enjoying it is. In each case the difference is divisible by 9 (i.e. the common factor is 9) and the sum of the digits of the difference is always 9

**ऐसे कुछ और रोचक उदाहरण शिक्षकों से लेकर शेयर करें।**



### एजेण्डा – 3 संकुल स्तरीय बैठकों के आयोजन की प्रक्रिया :-

हमें आपके द्वारा आयोजित बैठकों के फोटोग्राफ्स एवं सूचनाएँ प्राप्त होती रहती है। इनके आधार पर बैठकों के आयोजन हेतु निम्नलिखित सुझाव है :-

1. कक्ष में बैठक व्यवस्था कतार में न होकर यदि गोल समूह में या समूह चर्चा/कार्य के लिए उपयुक्त होनी चाहिए।
2. बैठक को हमेशा निर्धारित समय में प्रारम्भ करें और समय का पालन करें।
3. विलंब से आने वालों के लिए आपसी सहमति से कोई दण्ड रखें ताकि सभी के समय पर उपस्थिति होने का कल्चर विकसित हो सके।
4. एजेण्डा के कुछ बिन्दुओं को पहले से संकुल के कुछ शिक्षकों को देते हुए उन्हें उस पर पूरी तैयारी कर प्रस्तुतीकरण हेतु चिन्हांकित करें।
5. बैठक में कुछ मुद्दों पर चर्चा के बाद संकुल की परिस्थितियों के आधार पर अपने संकुल की शालाओं के लिए कार्ययोजना मिलकर तैयार करवाएँ।
6. बैठक में एजेण्डा के सभी बिन्दुओं को श्यामपट पर पहले से लिख लेवें।
7. बैठक कक्ष में सभी योजनाएँ, आवश्यक संदर्भ सामग्री, पानी एवं अन्य व्यवस्थाएँ ठीक से कर लेवें।
8. यथासंभव जमीन पर दरी बिछाकर बैठना चर्चा एवं समूह कार्य के लिए बेहतर होगा।
9. बैठक में अपने शिक्षक साथियों में से कुछ ऐसे जिनमें मोबाईल में इंटरनेट हो, के माध्यम से विभिन्न मुद्दों पर जानकारी लेने आवश्यक सहयोग लेवें।
10. राज्य के अनेक नवाचारी शिक्षकों से उनके मोबाईल पर संपर्क कर स्पीकर चालू कर सभी उपस्थित शिक्षकों से संवाद करवाया जा सकता है।
11. अपने संकुल में विभिन्न विषयों में संचालित Professional Learning Community (PLC) से भी चर्चा कर उनके कार्यों की आपस में Sharing करवाएँ।
12. बैठक में टीम का नेतृत्व इस प्रकार करें कि हावी होने के बजाय सभी को साथ लेकर आगे बढ़ने का माहौल बने।
13. आपस में चर्चा कर अपने संकुल की बैठक के लिए नियम निर्धारित करें।
14. बैठक का स्थान विभिन्न शालाओं में भी बदल-बदल कर किया जा सकता है।
15. अनावश्यक चर्चा में समय व्यर्थ न करते हुए बैठक को नुपयोगी बनाएँ।



## एजेण्डा – 4 प्रोफेशनल लर्निंग कम्प्युनिटि (PLC)

एक शिक्षक बनने के बाद हमें लगातार नया ज्ञान अर्जित करने, सीखते रहने की आवश्यकता होती है। शिक्षकीय प्रोफेशन एक ऐसा प्रोफेशन है जिसमें जब तक हम स्वयं अध्ययन नहीं करेंगे ठीक से अध्यापन नहीं कर पाएंगे। अब जरा सोचें, कि हमें सीखने के अवसर कहाँ और कितने मिलते हैं ?

- प्रशिक्षण में – वर्ष में एक बार
- शैक्षिक पत्र पत्रिकाएँ – कितनी पत्रिकाएँ स्कूल में आती हैं या आप मंगवाते हैं ?
- संकुल समन्वयक से – क्या सिखाते हैं ? क्या कुछ नया देते हैं ?
- स्टाफ रूम में – कितने साथी हैं ? क्या समय मिलता है ?
- प्रधान अध्यापक से – क्या वे आपको सिखाते हैं ?
- बस में आते जाते – क्या अकादमिक बातें होती हैं ? और कहाँ-कहाँ ?
- राज्य में प्रारंभिक स्तर पर शिक्षकों को अकादमिक समर्थन हेतु निम्नलिखित संस्थाएँ कार्यरत हैं –
  - राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद – 1
  - जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान – 16+2 (BTIs)
  - विकासखण्ड स्रोत केन्द्र – 146+4
  - संकुल स्रोत केन्द्र – 2703

दो लाख से अधिक शिक्षकों के लिए क्या इन संस्थाओं से लगातार व्यक्तिगत अकादमिक समर्थन दिया जाना संभव है ? प्रति संस्था लोड के आधार पर ऐसा करने में कितना समय देना होगा ? स्वयं स्टाफ की समस्या से जूझ रहे संस्थाओं से क्या हम बहुत अधिक उम्मीद तो नहीं कर रहे हैं ? ऐसे माहौल में क्या यह बेहतर नहीं होगा कि हम आपस में ऐसे समूह बनाएं जो एक दूसरे से सीख सकें और लगातार नवीन ज्ञान प्राप्त कर अपने व्यवसाय में सुधार कर सकें। ऐसे समूहों को ही हम प्रोफेशनल लर्निंग कम्प्युनिटि कहते हैं।

**प्रोफेशनल लर्निंग कम्प्युनिटि कौन-कौन शामिल हो सकते हैं :-**

- ✓ जिस विषय के लिए का PLC गठन करने की योजना है, उसके रुचि लेने वाले शिक्षक
- ✓ उस विषय में विशेषज्ञता वाले अन्य व्यक्ति
- ✓ सेवानिवृत्त शिक्षक, बेरोजगार युवक
- ✓ अपने संपर्क से संकुल, जिला, राज्य या देश के बाहर से भी आपके विषय में रुचि लेने वाले व्यक्ति
- ✓ कोई भी अन्य जिन्हें आप उचित समझते हों।

**किन विषयों में प्रोफेशनल लर्निंग कम्प्युनिटि बन सकती है ?**

- ✓ विभिन्न स्कूली विषयों में
- ✓ गणित/विज्ञान गतिविधियों के लिए
- ✓ लोक-कला, संस्कृति, पर्यावरण के लिए
- ✓ स्थानीय कहानियों/बाल साहित्य संकलन एवं विकास हेतु
- ✓ स्थानीय संस्कृति में निहित विचार की खोज हेतु
- ✓ बच्चों के लिए रोचक, उपयोगी पठन सामग्री
- ✓ गणित पढ़ाने हेतु सहायक सामग्री
- ✓ खेल खेल में शिक्षा उपलब्ध कराना
- ✓ स्वतंत्र लेखन कौशलों का विकास
- ✓ शिक्षकों के प्रशिक्षण आवश्यकताओं की पहचान

- ✓ पाठ्य सहभागी क्रियाकलापों का आयोजन
- ✓ नाटकों के माध्यम से शिक्षण
- ✓ कबाड़ से जुगाड़
- ✓ सामुदायिक सहभागिता
- ✓ स्थानीय खेलों से सीख
- ✓ गतिविधि बैंक, पारंपारिक ज्ञान की जानकारी।

**कितने लोग शामिल हो सकते हैं ?**

इसके लिए कोई सीमा नहीं है पर समान विचारधारा वाले कम से कम चार सक्रिय सदस्य हो तो कार्य आगे सफलता पूर्वक बढ़ सकता है। इनमें से कुछ लोग आधुनिक टेक्नालॉजी एवं इंटरनेट सर्फिंग में एक्सपर्ट होने चाहिए।

**कैसे एक-दूसरे से जुड़ सकेंगे ?**

प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी के सदस्यों को एक-दूसरे के साथ कम से कम साथ में एक बार बैठना चाहिए। सदस्यों के दूर-दूर होने पर उनका नियमित बैठना संभव नहीं हो पाता। ऐसी स्थिति में संचार के विभिन्न माध्यमों का इस्तेमाल कर जानकारियों का आदान-प्रदान कर सकते हैं। कुछ प्लेटफार्म इस प्रकार हो सकते हैं –

**SMS, E-mail, Whatsapp, Facebook**

**कैसे शुरुआत करेंगे ?**

- ◆ अपने क्षेत्र में आवश्यकताओं एवं कुशल संसाधनों को पहचान करें।
- ◆ सबसे पहले प्रत्येक विषय के लिए कम से कम 4-4 विशेषज्ञों को तैयार करें। जैसे – गणित, विज्ञान, अंग्रेजी, सामाजिक अध्ययन, हिन्दी, संस्कृत आदि।
- ◆ अपने संकुल के माध्यम से (PLC) के गठन की सूचना एवं उनके विषय की जानकारी देते हुए जिले में डाटाबेस तैयार करवाएँ।
- ◆ PLC के लिए विज्ञान मिशन, उद्देश्यों के साथ-साथ प्रत्येक सक्रिय व्यक्ति का प्रोफाइल तैयार रखें।
- ◆ PLC के सदस्यों की बैठक की नियमितता हेतु कब-कब बैठेंगे ? कहाँ बैठेंगे आदि तय करें।
- ◆ PLC के कार्यों के लिए कम से कम 4 क्षेत्रों की पहचान कर लें।
- ◆ PLC के कार्य करने के तरीकों के लिए उन्मुखीकरण/रणनीति, छोटे-छोटे सफलताओं का जश्न मनाएँ।

“ PLC की सफलता के लिए सबको समय निकालना होगा। स्कूल समय के अलावा छुट्टियों में भी बैठने के लिए तैयार होना चाहिए, तभी आपके PLC के माध्यम से सुधार हो सकेगा।”

**PLC का उन्मुखीकरण –**

- ✓ PLC का सतत् क्षमता निर्माण आवश्यक
- ✓ सीखने का वातावरण निर्माण
- ✓ PLC के लिए संदर्भ सामग्री संकलित करना
- ✓ कार्यशालाएँ एवं शैक्षिक भ्रमण
- ✓ विषय विशेषज्ञों को आमंत्रित करना।

“ PLC के कार्य तय करते समय बच्चों की आंख से देखने का प्रयास करें।”

## एजेण्डा –5 “लाखों में एक”

भारत में स्कूल जाने वाले लगभग सभी बच्चे स्कूल में नामांकित हैं। असर के ताजे आंकड़ों से पता चलता है कि कक्षा 5 के 50 प्रतिशत के भी कम बच्चे कक्षा 2 के स्तर का पाठ धाराप्रवाह पढ़ सकते हैं। कक्षा 5 के 3 बच्चों में से 1 से भी कम बच्चे सरल भाग का सवाल हल कर सकते हैं। अन्य उपलब्ध आंकड़े भी उच्च नामांकन और कम सीखने के स्तर की ओर इशारा करते हैं।

सभी सोचते हैं कि बच्चे विद्यालय जाते हैं तो सीख ही रहे होंगे। लेकिन बच्चे सीख रहे हैं कि नहीं यह कहना मुश्किल है। समस्या अगर दिखाई नहीं देती है तो उसे स्वीकार करना मुश्किल होता है। लेकिन एक बार जब आप समस्या को देख लेते हैं तो उसका समाधान ढूंढने की प्रक्रिया शुरू कर देते हैं।

### “लाखों में एक” अभियान क्या है ?

यह अभियान एक राष्ट्रव्यापी आंदोलन है जो बच्चों की बुनियादी शिक्षा के स्तर में सुधार लाने की दिशा में पूरी ऊर्जा के साथ काम करेगा। इसका उद्देश्य देश भर के 100000 समुदायों तक पहुँचना है। हम लोगों को आमंत्रित करते हैं कि वे अपने ही समुदाय को देखें, बच्चे कितना अच्छा पढ़ सकते हैं और साधारण गणित कर सकते हैं, साथ ही यह सुनिश्चित करें कि सारे बच्चे कम से कम शिक्षा की मूलभूत दक्षता सीख पा रहे हैं या नहीं।

अभियान में भाग लेने वाले प्रत्येक व्यक्ति या संस्था के लिए पाँच चरणों की प्रक्रिया निर्धारित की गई है :-

1. **चयन करना** – कम से कम एक गाँव/समुदाय जहाँ आप परिवर्तन लाना चाहते हैं, ये आपका अपना गाँव या शहरी क्षेत्र में आपका मुहल्ला हो सकता है। अपने संकुल के डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम शिक्षा गुणवत्ता अभियान के अंतर्गत सी एवं डी ग्रेड प्राप्त शालाओं को लिया जाना बेहतर होगा।
2. **मूल्यांकन करना** – प्रथम के साधारण टेस्टिंग टूल का उपयोग करके निर्धारित स्थान के सभी बच्चों की बुनियादी पढ़ने और गणित करने की क्षमताओं का मूल्यांकन करें। मूल्यांकन की प्रक्रिया को पूरा करने के लिए दोस्तों और अन्य स्थानीय लोगों की मदद लें। उसके बाद परिणाम को संक्षेप में समझाएँ।
3. **चर्चा करना** – निर्धारित स्थान पर माता-पिता और अन्य लोगों के साथ परिणामों पर चर्चा करें। अगर वहाँ के बच्चे नहीं सीख रहे हैं तो कुछ स्थानीय लोगों को ढूंढें जो बच्चों के स्तर में सुधार लाने के लिए इच्छुक हों। इस प्रयास में गाँव के शिक्षकों और स्थानीय अधिकारियों को शामिल करें।
4. **सिखाना** – जिन बच्चों को बुनियादी पढ़ने-लिखने में सहायता की ज़रूरत है, उनके लिए विशेष रूप से बनाये गए तरीकों और सामग्रियों का उपयोग करें। यह प्रक्रिया दिन में सिर्फ दो घंटों के लिए 50 दिनों तक करें। ऐसा करने पर आप पाएंगे कि बच्चों में प्रगति हो रही है।
5. **साझा करना** – देश और दुनिया के अन्य लोगों के साथ अपने अनुभव को साझा करें ताकि अधिक से अधिक लोग अभियान में शामिल हों।

आएँ, देश के उन अन्य हजारों लोगों के साथ जुड़ें जो बदलाव लाना चाहते हैं। उनके साथ मिलकर हम अपने बच्चों के भविष्य को बेहतर बनाएँ। लाखों में एक अभियान से जुड़ें।



## आप क्या कर सकते हैं ?

1. **टीम लीडर** – अपने संकुल के शिक्षकों के साथ लाखों में एक अभियान के बारे में बातचीत शुरू करें। कम से कम ऐसे 20 लोगों की पहचान करने की कोशिश करें जो 5 समुदायों की जिम्मेदारी लेने को तैयार हों। ये आपके ग्रुप लीडर हैं।
2. **ग्रुप लीडर** – आप 5 समुदायों में अभियान को नेतृत्व करने के लिए एक टीम लीडर द्वारा चुने गए हैं अब आप और आपके टीम लीडर मिलकर प्रत्येक समुदाय के लिए एक व्यक्ति का चयन करें। ये आपके गाँव के लीडर है। ये **SMC** के सदस्य भी हो सकते है।
3. **गाँव का लीडर** – अपने गाँव स्वयंसेवक के साथ चयनित क्षेत्र के कक्षा 3–6 के सभी बच्चों का मूल्यांकन करें। हमारे टेस्टिंग टूल के उपयोग से उनकी बुनियादी पढ़ने और गणित करने की क्षमता का मूल्यांकन करें। 7–14 आयु वर्ग के बच्चे जो विद्यालय में नामांकित नहीं हैं, उन्हें भी शामिल करें।

मूल्यांकन के परिणामों के साथ रिपोर्ट कार्ड भरें। गाँव में लगाए जाने वाले पोस्टर में मुख्य बिंदुओं को प्रदर्शित करें और उसे एक सार्वजनिक स्थान पर लगाएँ।

**अगला कदम :-** समुदाय के सभी सदस्यों के साथ परिणामों पर चर्चा करें और एक साथ ये निर्णय लें कि अपने गाँव को “पढ़ता गाँव” में परिवर्तित करने के लिए क्या कदम उठाने चाहिए। रिपोर्ट कार्ड के पीछे उन सभी लोगों को नाम लिखें जिन्होंने मूल्यांकन प्रक्रिया में आपकी मदद की है। इसकी एक कॉपी अपने ग्रुप लीडर को दें।

आएँ, इस अभियान में शामिल हों और आपके संकुल के बच्चों को अच्छी तरह से सीखने में मदद करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाएँ

याद रखें –

- ✓ इस अभियान में सभी लीडर इसलिए भाग ले रहे हैं क्योंकि वे लाखों में एक बनना चाहते हैं। इस अभियान में किसी को कोई पैसा नहीं दिया जाएगा।
- ✓ एक बार ग्रुप लीडर जब अपने क्षेत्र का चयन कर लेंगे तब हमारे टीम के सदस्यों द्वारा उनका उन्मुखीकरण किया जायेगा या उन्हें इस अभियान को संचालित करने से संबंधित सामग्री दी जाएगी।
- ✓ अभियान के अंत में, हम लाखों में एक टीम लीडर, ग्रुप लीडर और गाँव के लीडर को अभियान में भागीदारी के लिए एक प्रमाण पत्र प्रदान करेंगे।
- ✓ कृपया याद रखें यह आंदोलन सिर्फ मूल्यांकन पर खत्म नहीं होगा। अपने क्षेत्र में बच्चों के सीखने के स्तर में सुधार की दिशा में कार्य करने के लिए हमारे साथ संपर्क में रहें।

**इस अभियान में भाग लेने के लिए रजिस्ट्रेशन कैसे करें ?**

➤ मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से रजिस्ट्रेशन

- गूगल प्ले स्टोर पर जाएँ और “लाखों में एक” एप्लिकेशन को डाउनलोड करें या ब्लूटूथ के माध्यम से अपने ग्रुप या टीम लीडर से प्राप्त करें।
- यह एप्लिकेशन एंड्रॉयड वर्शन 4.0 और ऊपर के वर्शन में चलेगा।
- यह एप्लिकेशन 5 भारतीय भाषाओं में उपलब्ध है।
- आप अपने उन दोस्तों के लिए भी रजिस्टर कर सकते हैं, जो रुची तो रखते हैं लेकिन ये एप्लिकेशन उनके फोन पर नहीं चलता है।
- अगर आप एप्लिकेशन के माध्यम से रजिस्टर करने में असमर्थ हैं तो कृपया अपने ग्रुप लीडर या टीम लीडर से संपर्क करें।

**वेबसाइट के माध्यम से रजिस्ट्रेशन** – वेबसाइट [www.lakhonmeinek.org](http://www.lakhonmeinek.org) पर जाएँ और होमपेज के रजिस्टर बटन पर क्लिक करें।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें – [www.lakhonmeinek.org](http://www.lakhonmeinek.org)

ई-मेल :- [lakhonmeinek@pratham.org](mailto:lakhonmeinek@pratham.org)

## एजेण्डा – 6 विज्ञान में माथापच्ची



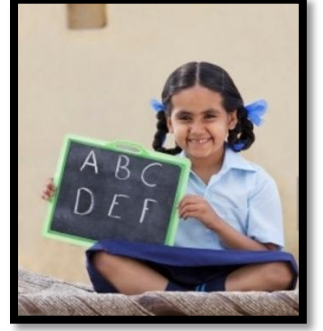
1. प्रेशर कुकर में खाना जल्दी पक जाता है, क्यों ?
2. दो समतल दर्पण एक-दूसरे से  $60^\circ$  के कोण पर झुके हैं। इनके बीच रखी एक गेंद के बने प्रतिबिम्बों की संख्या कितनी होगी ?
3. कमरे में रखे रफ्रिजरेटर का दरवाजा खोल दिया जाता है तो कमरे के ताप में क्या अंतर आएगा ?
4. किताब के ऊपर रखे किसी लेंस को ऊपर उठाने पर मुद्रित अक्षरों का आकार बढ़ता हुआ दिखाई देता है तो लेंस कौन सा होगा।
5. दलदल में फंसे व्यक्ति को लेट जाने की सलाह दी जाती है। क्यों ?
6. लालटेन की बत्ती में मिट्टी का तेल बराबर ऊपर चढ़ता रहता है, क्यों ?
7. चिल्लाते समय व्यक्ति हमेशा हथेली को मुंह के समीप क्यों रखता है ?
8. सायकल चालक को प्रारंभ में अधिक बल क्यों लगाना पड़ता है ?
9. एक लड़की झूलाझूल रही है। उसके पास एक अन्य लड़की आकर बैठ जाती है तो झूले का आवर्तकाल में क्या अंतर आएगा ?
10. पानी और दूध के उबलने में क्या अंतर है ? क्यों ?



उपरोक्त प्रश्नों पर चर्चा करें। बैठक में कर सकने योग्य बिंदुओं को करके देखे एवं हल निकालें। ऐसे ही कुछ –

## एजेण्डा – 7 स्लेट कहाँ गायब हो गए ?

बचपन में हम सबने कक्षा 1 में स्लेट का उपयोग किया होगा। काली स्लेट में सफेद चाक से लिखना किसको याद नहीं होगा। लिखना, फिर गीले कपड़े से मिटाना, लिखते जाना, मिटाते जाना। बचपन में लिखने का खूब अभ्यास हम सब करके आगे बढ़े हैं।



## ये स्लेट कहाँ चले गए ?

क्या अपने संकुल की शालाओं में इसे वापस लाने के बारे में सोचा जा सकता है ?

## सूचना

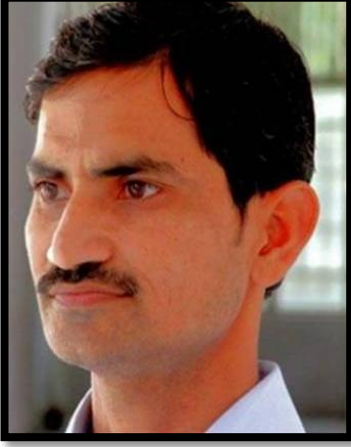
इस माह दिनांक 7-16 दिसंबर 2015 के बीच जिलों में प्राथमिक स्तर पर गणित स्रोत व्यक्तियों का प्रशिक्षण आयोजित होगा जिसकी समय-सारिणी इस प्रकार है :-

स.क्रं.	जोन	शामिल जिले	कुल प्रतिभागी	प्रशिक्षण की तिथि
1	रायपुर	बलोदाबाजार, धमतरी, गरियाबंद, महासमुंद, रायपुर	69	7-9 दिसम्बर 2015
2	दुर्ग	बालोद, बेमेतरा, दुर्ग, कर्वधा, राजनांदगांव	24	10-12 दिसम्बर 2015
3	बिलासपुर	बिलासपुर, जांजगीर-चांपा, कोरबा, मुंगेली, रायगढ़	87	10-12 दिसम्बर 2015
4	अंबिकापुर	बलरामपुर, जशपुर, कोरिया, सुरजपुर, सरगुजा	93	14-16 दिसम्बर 2015
5	बस्तर	बस्तर, बीजापुर, दंतेवाड़ा, कांकेर, कौंडागांव, नारायणपुर, सुकमा	90	14-16 दिसम्बर 2015

इसमें प्रत्येक विकासखण्ड से 3-3 गणित में रुचि लेने वाले कुशल शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जाना है। विकासखण्ड में अच्छे शिक्षकों के नाम भेजते हुए अपने संकुल के इच्छुक शिक्षकों से चर्चा करवाएँ।

छोटे बच्चों को निकट के बड़े शिक्षण संस्थानों यथा हाई एवं हायर सेकण्डरी शालाओं में ले जाकर बच्चों, शिक्षकों से मुलाकात करवाना इन बच्चों के लिए एक यादगार क्षण हो सकता है। ऐसा करने से छोटै बच्चे आगे पढ़ने हेतु प्रेरित हो सकते हैं।

## एजेण्डा – 8 प्रेरणास्पद शिक्षक



प्रधानमंत्री जी ने अपने ब्रिटेन दौर के दौरान वेम्बले स्टेडियम में राजस्थान के एक शिक्षक इमरान खान की काफी तारीफ की। राजस्थान के अलवर जिले के 37 वर्षीय इमरान सरकारी स्कूल में मैथ्स पढ़ाते हैं और छात्रों के लिए अभी तक 50 से ज्यादा फ्री एंड्रॉयड एप बना चुके हैं।

उन्होंने 50 से भी ज्यादा ऐसे एंड्रॉयड एप बनाए हैं जो लोगों को फ्री शिक्षा देने में काफी मददगार साबित हो रहे हैं। इन एप में जनरल नॉलेज से लेकर इंग्लिश सीखने वाले लाइट एप हैं जो स्लो इंटरनेट पर भी आसानी से खुल सकते हैं।

हिंदी मीडियम छात्रों को अपने GKtalk पोर्टल के जरिए सहयोग करते हैं। सपोर्ट इमरान खान ने अपने GKtalk नाम के वेब पोर्टल पर अपने बारे में लिखा है कि, वह राजस्थान के सरकारी स्कूल शिक्षक हैं और हिंदी मीडियम के छात्रों को सपोर्ट करने के लिए एप बनाते हैं।

उनके एप काफी साधारण हैं जिससे लोग आसानी से उपयोग कर सकते हैं। उन्होंने बेसिक डिजाइन और कंटेंट वाले एप बनाए हैं जिसकी वजह से लोग इनको पसंद करते हैं। उनके सभी एप प्ले स्टोर में फ्री डाउनलोड के लिए उपलब्ध हैं। इसके अलावा प्ले स्टोर में लोगों ने उनके एप को अच्छे रिव्यू भी दिए हैं। उनके बनाए गए एप को अभी तक 2 मिलियन से ज्यादा एंड्रॉयड यूजर्स ने डाउनलोड किया है।

उन्होंने सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट का कोई कोर्स नहीं किया है। दिलचस्प बात यह है कि उन्होंने एप बनाने या प्रोग्रामिंग का कोई कोर्स भी नहीं किया बल्कि अपने छोटे भाई की किताबें पढ़ कर खुद से ही सब कुछ सीख लिया।

छोटे भाई की किताबों ने उन्हें बनाया सॉफ्टवेयर डेवलपर। एक अंग्रेजी अखबार को दिए गए इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि उनका छोटा भाई इंद्रीस गुडगांव में सॉफ्टवेयर फर्म में जॉब करता है. नौकरी लगने के बाद उसने अपनी किताबें घर पर छोड़ दी थीं और इमरान ने उन किताबों से HTML सीखकर अपनी वेबसाइट डिजाइन की।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री जी ने लंदन में अपने भाषण के दौरान कहा था कि राजस्थान के अलवर जिले में एक इमरान खान नाम का शख्स है जिसने छात्रों के लिए 50 फ्री मोबाइल एप बनाए हैं, और उस इमरान खान में बसता है मेरा हिंदुस्तान!

**अपने जिले में बेहतर एवं नवाचारो कार्य कर रहे शिक्षकों का विवरण कार्यालय के Email - mis.head@gmail.com पर भेजे।**

कक्षा 10 से 12 तक के कठिन विषयों के अध्यापन के लिए अपनाया जा रहा नवाचार "प्रज्ञा" विडियो लेक्चर के विडियो यूट्यूब पर अपलोड कर दिया गया है। विद्यार्थी एवं शिक्षक अपने मोबाइल, कम्प्यूटर पर इनका अवलोकन कर कठिन विषयों का अध्ययन कर सकते हैं। ये विडियो विज्ञान, गणित, अंग्रेजी, भौतिक जीवविज्ञान, रसायन विषयों में उपलब्ध है। विडियो का अवलोकन करने हेतु लिंक है – <https://www.youtube.com/user/pcv135/playlists>

## एजेण्डा – 9 राष्ट्रीय अविष्कार अभियान के अतंगत विभिन्न कार्य –

1. इस वर्ष के प्रशिक्षण का Follow-up एवं कक्षा में उपयोग सुनिश्चित करना – इस वर्ष प्राथमिक/उच्च प्राथमिक स्तर पर विज्ञान के प्रयोग आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण के उपरांत शालाओं से अपेक्षा है कि वे –
  - ⊕ अपने शालाओं में नियमित रूप से विज्ञान से संबंधित प्रयोग करवाते हुए बच्चों को अवधारणाएँ स्पष्ट करें।
  - ⊕ बच्चों में विज्ञान के प्रति रुचि विकसित करें।
  - ⊕ प्राथमिक कक्षाओं में गणित किट का नियमित उपयोग करें।
  - ⊕ सभी संबंधित शिक्षक एवं इस कार्य में रुचि लेने वाले आपस में मिलकर Professional Learning Community का गठन करते हुए विज्ञान/गणित/टेक्नालाजी में कुछ बेहतर कार्य करें।
  - ⊕ विज्ञान/गणित के पाठ योजनाओं के रुचिकर और गतिविधि आधारित बनाना।
  - ⊕ कक्षा पहली से बारहवीं तक के लिए विभिन्न सरल गतिविधियों/प्रयोगों की जानकारी तैयार करना।
  - ⊕ अच्छे पाठों/गतिविधियों/प्रयोगों की वीडियो क्लिपिंग तैयार कर आपस में शेयर करना।
  - ⊕ विज्ञान/गणित में विभिन्न Concept के लिए PPTs तैयार कर शेयर करना।
  - ⊕ शिक्षक प्रशिक्षकों का PLC बनाकर के RAA उद्देश्यों की पूर्ति करना।
  - ⊕ अपने अभ्यास शालाओं में विज्ञान/गणित अध्यापन को बेहतर बनाने संसाधन युक्त करना।
  - ⊕ अपने क्षेत्र के अध्यापकों का क्षमता विकास।
2. शासकीय/निजी शिक्षा महाविद्यालयों से सहयोग –
  - ⊕ विज्ञान/गणित के पाठ योजनाओं के रुचिकर और गतिविधि आधारित बनाना।
  - ⊕ कक्षा पहली से बारहवीं तक के लिए विभिन्न सरल गतिविधियों/प्रयोगों की जानकारी तैयार करना।
  - ⊕ अच्छे पाठों/गतिविधियों/प्रयोगों की वीडियो क्लिपिंग तैयार कर आपस में शेयर करना।
  - ⊕ विज्ञान/गणित में विभिन्न Concept के लिए PPTs तैयार कर शेयर करना।
  - ⊕ शिक्षक प्रशिक्षकों का PLC बनाकर के RAA उद्देश्यों की पूर्ति करना।
  - ⊕ अपने अभ्यास शालाओं में विज्ञान/गणित अध्यापन को बेहतर बनाने संसाधन युक्त करना।
  - ⊕ अपने क्षेत्र के अध्यापकों का क्षमता विकास।
3. शालाओं में संसाधन उपलब्धता –
  - ⊕ नवाचार मद से जिले में चयनित शालाओं में विज्ञान/गणित शिक्षण को प्रभावी बनाने अनुदान।
  - ⊕ संकुल की बैठकों के दौरान किट निर्माण हेतु सहयोग।
  - ⊕ जिले में प्रयोग आदि के लिए कुशल स्रोत दल तैयार कर उनके पास एक मोबाइल संसाधन किट की उपलब्धता
  - ⊕ हाई स्कूल/हायर सेकण्डरी शालाओं के लिए RAA के लिए मुद्रित दिशानिर्देश।
4. प्रभावी कक्षागत प्रक्रियाएँ –
  - ⊕ बड़ी कक्षाओं के लिए वीडियो उपलब्ध कराना (कांकेर मॉडल)
  - ⊕ कक्षा शिक्षण में एक्टिव लर्निंग पेडागोजी का उपयोग
  - ⊕ SCERT के माध्यम से Non-Science शिक्षकों के लिए सर्टिफिकेशन कार्यक्रम
5. बच्चों के लिए विभिन्न कार्यक्रम –

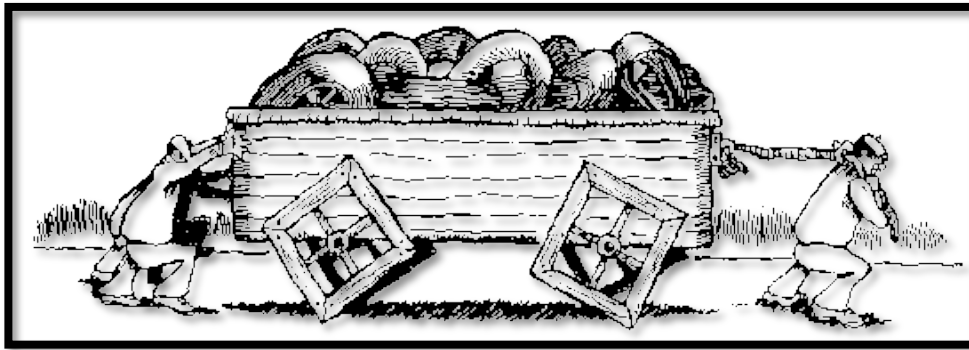


- ⊕ बच्चों द्वारा Nature Walk के माध्यम से पर्यावरण को जानना और विज्ञान की समझ विकसित करना
- ⊕ आदिवासी छात्रावासों में Sky Watch सुविधा
- ⊕ गणित/विज्ञान क्लब का गठन कर कार्यवाहियाँ
- ⊕ हर्बल गार्डन के माध्यम से सीखना
- ⊕ Probing Question Bank का निर्माण
- ⊕ IGNITE अवार्ड हेतु अधिकतम सहभागिता
- ⊕ बच्चों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन
- ⊕ बच्चों को विज्ञान की पुस्तकें पढ़ने हेतु उपलब्ध कराना

#### 6. समुदाय से सहयोग –

- ⊕ अंधश्रद्धा उन्मूलन कैंप का आयोजन
- ⊕ आदिवासी परंपराओं/संस्कृति में निहित विज्ञान की पहचान कर दस्तावेजीकरण एवं बच्चों के साथ Share कर उनके Self-Esteem को विकसित करना।
- ⊕ Nature Walk/Student Exchange Program में सहयोग लेना।

### एजेण्डा – 10 चित्र पर चर्चा



- ✓ एक गाड़ी है जिसके चक्के गोल न होकर वर्गाकार हैं।
- ✓ गाड़ी खींचने वाला व्यक्ति अपनी आंख में पट्टी बांधकर गाड़ी खींच रहा है।
- ✓ पीछे से लोग गाड़ी को धक्का देने पूरी ताकत लगा रहे हैं।
- ✓ गाड़ी से बहुत सारे गोल चक्के रखे हुए हैं।
- ✓ गाड़ी को आगे बढ़ाने में बहुत ज्यादा श्रम लगा रहा है।

#### इस चित्र में ध्यान से देखें

अब इस चित्र के आधार पर संकुल में शिक्षा की स्थिति पर चर्चा करवाएँ।

- ✓ क्या आपके संकुल में गुणवत्ता सुधार के लिए विज्ञान/रणनीति है ?
- ✓ हम सभी की मेहनत के बावजूद बच्चों की उपलब्धि में अपेक्षित सुधार क्यों नहीं हो पा रहा है ?
- ✓ जिस प्रकार गाड़ी में रखे टायर को गाड़ी में लगाने से गाड़ी बड़ी आसानी से आगे बढ़ सकती है, वैसे ही हम अपने संकुल में गुणवत्ता सुधार के लिए क्या-क्या कर सकते हैं ? विस्तार से चर्चा कर योजना बनाएँ।